INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (online)
ISSN 2348 - 9359 (Print)

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

www.IRJMSH.com
www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

मध्यस्थ दर्शन के प्रकाश में किशोर व्यक्तित्व विकास: सह-अस्तित्व आधारित समग्र शैक्षिक दृष्टिकोण

Sachin Vishnu Tambekar
(Research Scholar, Aatmiya University Rajkot Gujarat)

सारांश (Abstract)

वर्तमान समय में किशोरावस्था अनेक चुनौतियों से घिरी हुई है। तकनीकी विकास, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, सामाजिक प्रतिस्पर्धा तथा मानसिक तनाव के कारण किशोरों के व्यक्तित्व में असंतुलन, असुरक्षा, आक्रामकता और मूल्यहीनता जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में A. Nagraj द्वारा प्रतिपादित मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद आधारित समाधानात्मक भौतिकवाद) किशोर व्यक्तित्व विकास का एक समग्र एवं जीवनोपयोगी दर्शन प्रस्तुत करता है। यह दर्शन मानव को सही समझ, सही संबंध, समृद्धि, अभय तथा सह-अस्तित्व की दिशा में विकसित करने पर बल देता है।

यह शोध-पत्र मध्यस्थ दर्शन के सिद्धांतों के आधार पर किशोर व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करता है तथा शिक्षा में इसकी उपयोगिता को स्पष्ट करता है।

मुख्य शब्द: मध्यस्थ दर्शन, किशोरावस्था, व्यक्तित्व विकास, सह-अस्तित्व, मूल्य शिक्षा, मानव शिक्षा

1. प्रस्तावना

किशोरावस्था मानव जीवन का अत्यंत संवेदनशील एवं परिवर्तनशील चरण है। इसी अवस्था में व्यक्ति के विचार, व्यवहार, चरित्र, व्यक्तित्व तथा जीवन-दृष्टि का निर्माण होता है। यदि इस अवस्था में उचित मार्गदर्शन एवं सही समझ प्राप्त हो जाए तो किशोर उत्तरदायी नागरिक बन सकता है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली मुख्यतः ज्ञान एवं कौशल पर केंद्रित है, जबकि व्यक्तित्व निर्माण अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पा रहा है। परिणामस्वरूप मानसिक तनाव, नशे की प्रवृत्ति, हिंसा, आत्मकेंद्रितता, डिजिटल लत तथा सामाजिक असंवेदनशीलता जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं।

मध्यस्थ दर्शन इन समस्याओं का समाधान "समझ आधारित शिक्षा" के माध्यम से प्रस्तुत करता है।

2. अध्ययन की आवश्यकता

आज किशोरों में–

आत्मविश्वास की कमी

भावनात्मक असंतुलन

नैतिक मूल्यों का ह्रास

पारिवारिक संवाद में कमी

सामाजिक उत्तरदायित्व का अभाव

डिजिटल व्यसन

प्रतियोगिता का तनाव

जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं।

मध्यस्थ दर्शन इन सभी समस्याओं का समाधान "समझ", "संबंध" तथा "सह-अस्तित्व" के माध्यम से प्रस्तुत करता है।

3. मध्यस्थ दर्शन का दार्शनिक आधार

मध्यस्थ दर्शन के अनुसार–

सम्पूर्ण अस्तित्व सह-अस्तित्व है।

प्रत्येक इकाई अपने निश्चित स्वरूप एवं स्वभाव में स्थित है।

मानव समझशील इकाई है।

शिक्षा का उद्देश्य मानव में सही समझ विकसित करना है।

समझ के आधार पर ही मूल्य, चरित्र एवं व्यवहार विकसित होते हैं।

4. किशोर व्यक्तित्व विकास की अवधारणा

व्यक्तित्व केवल बाहरी व्यवहार नहीं बल्कि निम्न आयामों का समन्वय है–

बौद्धिक विकास

भावनात्मक विकास

नैतिक विकास

सामाजिक विकास

आध्यात्मिक चेतना

व्यवहारिक दक्षता

उत्तरदायित्व

मध्यस्थ दर्शन इन सभी आयामों को एकीकृत रूप में विकसित करता है।

5. मध्यस्थ दर्शन के आधार पर किशोर व्यक्तित्व विकास

(क) सही समझ का विकास

किशोर स्वयं को, परिवार को, समाज को तथा प्रकृति को समझना सीखता है।

(ख) आत्मविश्वास

समझ विकसित होने पर किशोर निर्णय लेने में सक्षम होता है।

(ग) संबंधों की समझ

मध्यस्थ दर्शन परिवार में–

विश्वास

सम्मान

स्नेह

वात्सल्य

कृतज्ञता

प्रेम

जैसे मूल्यों का विकास करता है।

(घ) नैतिक विकास

नैतिकता बाहरी अनुशासन नहीं बल्कि सही समझ का स्वाभाविक परिणाम है।

(ङ) सामाजिक उत्तरदायित्व

किशोर स्वयं को समाज का सक्रिय एवं उत्तरदायी सदस्य मानता है।

(च) पर्यावरणीय चेतना

मध्यस्थ दर्शन प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का भाव विकसित करता है।

(छ) मानसिक स्वास्थ्य

समझ आधारित जीवन से–

तनाव कम होता है।

भय कम होता है।

आत्मविश्वास बढ़ता है।

सकारात्मक सोच विकसित होती है।

6. शिक्षा में मध्यस्थ दर्शन की भूमिका

विद्यालयों में निम्न गतिविधियाँ अपनाई जा सकती हैं–

संवाद आधारित शिक्षण

आत्मचिंतन

समूह चर्चा

परिवार अध्ययन

सामाजिक सेवा

प्रकृति अवलोकन

मूल्य आधारित परियोजनाएँ

निर्णय क्षमता विकास

जीवन कौशल शिक्षा

7. शिक्षक की भूमिका

शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं बल्कि–

मार्गदर्शक

प्रेरक

संवादकर्ता

मूल्य संवाहक

सह-अध्येता

होता है।

8. शोधार्थियों के लिए संभावित शोध क्षेत्र

मध्यस्थ दर्शन आधारित व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम की प्रभावशीलता

किशोरों में जीवन मूल्यों का विकास

विद्यालयी वातावरण एवं सह-अस्तित्व

किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर मध्यस्थ दर्शन का प्रभाव

निर्णय क्षमता एवं मध्यस्थ दर्शन

9. चर्चा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा, मूल्य शिक्षा तथा अनुभवात्मक अधिगम पर बल देती है। मध्यस्थ दर्शन इन उद्देश्यों को दार्शनिक आधार प्रदान करता है। यह शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं बल्कि जीवन की सही समझ विकसित करने का साधन मानता है।

10. निष्कर्ष

मध्यस्थ दर्शन किशोर व्यक्तित्व विकास के लिए एक समग्र एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह किशोरों में सही समझ, नैतिकता, उत्तरदायित्व, आत्मविश्वास, सामाजिक समरसता तथा पर्यावरणीय चेतना का विकास करता है। यदि विद्यालयी शिक्षा में इसके सिद्धांतों को प्रभावी रूप से समाहित किया जाए तो एक मूल्यनिष्ठ, उत्तरदायी एवं सह-अस्तित्व आधारित समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

संदर्भ (References)

मध्यस्थ दर्शन: सह-अस्तित्ववाद आधारित समाधानात्मक भौतिकवाद — ए. नागराज।

अनुभवात्मक अध्यात्मवाद — ए. नागराज।

मानवीय संविधान — ए. नागराज।

Ministry of Education. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)।

UNESCO. Learning: The Treasure Within.

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES

WWW.IIMPS.IN

EARN YOUR

MBA

Accreditation & Ranking

UGC / NCTE Approved.

INFO@IIMPS.IN

011-41005174

RESEARCH GATEWAY

STOP PLAGIARISM

1 Submit your content in Word File.

2 Get report in 48 hrs.

3 *Missing content or references will be fixed.

4 Citation for your work.

5 Get accurate user friendly report.

researchgateway.in | info@researchgateway.in

+91-9205579779

AROGYAM ONLINE

Arogyam Ayurveda

Holistic Healing through herbs

100% NATURAL

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER

COLOR PSYCHOLOGY : HOW COLOR AFFECT YOUR CHILD

BLUE — Calms your Child's Mind & Body

YELLOW — Promotes Concentration, Stimulates the Memory

PINK — Evokes Empathy, makes your Child Calm

RED — Excites and energizes your Child's body

GREEN — Improves Reading speed and Comprehension

www.parivartan4u.com

Confuse about your children's future?

भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726

WWW.BHARTIYASHODH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY

ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P)

WWW.IRJMST.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

WWW.CASIRJ.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P)

WWW.IRJMSH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY

ISSN 2454-3195 (online)

WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION

ISSN 2582-5445

WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES,POLITICS AND ECONOMICS RESEARCH

WWW.JLPER.COM